## समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.)

के अन्तर्गत

## मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

(दिनांकः 06 अप्रैल से 07 मई, 2010)

# प्रशासनिक प्रतिवेदन

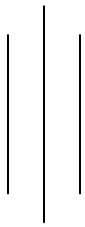

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र

---

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

# मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

( दिनांकः 06 अप्रैल से 07 मई, 2010)

# प्रशासनिक प्रतिवेदन

## प्रशिक्षण टीम–

- डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक / समन्वयक आई.सी.डी.एस. प्रशि.
- श्री राकेश सक्सेना, संकाय सदस्य
- डॉ0 विनीता सिंह, संकाय सदस्य
- श्री शिव भगवान, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.
- सुश्री सुमन पाण्डेय, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.
- सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.

**'महिला एवं बाल कल्याण एवं पोषण संकाय'**

---

**दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ**

# विषय वस्तु


1. पृष्ठभूमि

2. प्रशिक्षण उद्देश्य

3. प्रशिक्षण साहित्य की सूची

4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय

5. प्रशिक्षण विधि

6. प्रशिक्षण मूल्यांकन / निष्कर्ष

7. संसाधन व्यक्तियों की सूची

8. प्रतिभागियों की सूची

9. प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा

10. समय सारिणी

11. ग्रुप फोटोग्राफ

12. क्षेत्रीय भ्रमण

12.1 प्रथम क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट

12.2 द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट

12.3 तृतीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट

# मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

## 1 पृष्ठभूमि

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी0के0टी0, लखनऊ पर स्थापित मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र पर वित्तीय वर्षः 2010–11 का प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 06.04.10 से 07.05.10 की अवधि में आयोजित किया गया। इस 'एक मासीय कार्य प्रशिक्षण' कार्यक्रम में जनपद सुल्तानपुर की कुल 35 मुख्य सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

## 2 प्रशिक्षण उद्देश्य

- प्रतिभागियों को समेकित बाल विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना।
- प्रतिभागियों को आई0सी0डी0एस0 के तीन मुख्य घटक स्वास्थ्य एवं पोषण, समुदाय सहभागिता एवं शालापूर्व शिक्षा सम्बन्धी तकनीकी जानकारी देना।
- प्रतिभागियों की कार्य कुशलता व क्षमता का विकास करना, जिससे वे सुचारू रूप से अपना कार्य कर सकें।
- प्रतिभागियों को मानीटरिंग एवं सुपरविजन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

## 3 प्रशिक्षण साहित्य की सूची

- बढ़ता बचपन
- बढ़ती बच्ची के लिए पोषण
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री हेतु मार्ग निर्देशिका
- बीमार बच्चों को आहार देना
- गर्भावस्था के दौरान देखभाल

## 4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय

प्रशिक्षण में कुछ नये विषयक भी समाहित किये गये हैं जैसे कि सूचना का अधिकार, आपदा प्रबन्धन, एच0आइ0वी0/एड्स, कार्यालय एवं वित्त प्रबन्धन आदि

## 5. प्रशिक्षण विधि

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण माड्यूल के अनुसार विभिन्न प्रशिक्षण विधियॉ जैसेः वार्ता, सामूहिक परिचर्चा, सामूहिक अभ्यास, रोलप्ले, सामूहिक प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तरी विधि, प्रबन्धन खेल दृश्य–श्रव्य सामग्री द्वारा, सामूहिक खेलकूद, कहानी, चार्ट इत्यादि का प्रयोग किया गया।

32 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण में 26 कार्य दिवसों के अन्तर्गत दो दिन आई0सी0डी0एस0 का परिचय, 4 दिन प्रारम्भिक बाल्यावस्था व शालापूर्व शिक्षा, 7 दिन पोषण एवं स्वास्थ्य, 4 दिन संचार एडवोकेसी और सामुदायिक सहभागिता, 3 दिन पर्यवेक्षण,प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन, दो दिन आंगनबाड़ी केन्द्रों का प्रबन्धन, 3 दिन पर्यवेक्षण अभ्यास पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा अन्तिम दिन प्रतिपुष्टि एवं समापन हुआ। लेक्चर के माध्यम से सभी विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण को उपयोगी बनाने के लिए प्रतिभागियों की सहभागिता को प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक वार्ता के बाद उनसे सामूहिक परिचर्चा एवं अभ्यास कार्य करवाया गया, उनकी आवश्यकतानुसार रोलप्ले भी करवाया गया। प्रशिक्षण में चार क्षेत्रीय भ्रमण कराये गये, सभी प्रतिभागियों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जो निम्नवत् हैः–

**पहला भ्रमणः–** बख्शी का तालाब के चार गांव कमलाबाद बढौली, उमरभारी, तरहिया, मुबारकपुर में किया गया। प्रतिभागियों ने प्रारम्भिक बाल देख रेख तथा केन्द्र स्थिति पर कार्य किया।

**दूसरा भ्रमणः–** बख्शी के तालाब के चार गांव राजापुर, मल्हीपुर, परसवन, परसऊ में किया गया। प्रतिभागियों ने वृद्धि निगरानी तथा आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया।

**तीसरा भ्रमणः–** जनपद सीतापुर की आई.सी.डी.एस. परियोजना सिधौली स्थित सी.डी.पी.ओ. कार्यालय तथा नैमिषारण में कराया गया।

**चतुर्थ भ्रमणः–** जनपद लखनऊ के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान केन्द्र में कराया गया।

## 6 प्रशिक्षण का मूल्यांकन/निष्कर्ष

प्रशिक्षण की व्याहारिकता एवं उपयोगिता का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से किया गया, जिसके आधार पर सभी वार्ताकारों द्वारा दी गई वार्ता बहुत ज्ञानवर्धक और उपयोगी रही। विशेषतः हाट कुक, सूचना का अधिकार एवं एच.आई.वी./ एड्स जैसे विषय अत्यधिक उपयोगी लगे। इसके साथ विभिन्न भ्रमणों द्वारा व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त उपयोगी रही।

## 7 संसाधन व्यक्तियों की सूची

1. डा0 आर0एस0 टोलिया, मुख्य सूचना आयुक्त, उत्तराखण्ड
2. डॉ0 ओ0 पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
3. श्री आर0डी0 सिंह, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
4. डा0 प्रमोद चन्द्र, उप निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
5. श्री उमेश चन्द्र जोशी, उप निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
6. श्री राकेश सक्सेना, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
7. डा0 विनीता सिंह, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
8. श्री आर0के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रशिक्षक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
9. सुश्री पाराधिकारी, मुख्य सेविका, बाल विकास परियोजना अधिकारी, बख्शी का तालाब, लखनऊ
10. श्री डी0के0 सिंह, चिकित्सा अधिकारी के प्रतिनिधि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बख्शी का तालाब, लखनऊ।
11. सुश्री मिथलेश सिंह, अनुदेशिका, जानकीपुरम्, लखनऊ।
12. श्री शिव भगवान, अनुदेशक, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
13. श्रीमती सुमन पाण्डेय, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
14. सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।

# 8 प्रतिभागियों की सूची

| क्र. सं. | प्रतिभागी नाम<br>सर्व सुश्री | परियोजना एवं जनपद का नाम |
|---|---|---|
| 1 | गीता देवी | कादीपुर–सुल्तानपुर |
| 2 | कृष्णा देवी | कादीपुर–सुल्तानपुर |
| 3 | फहमीदा खातून | कादीपुर–सुल्तानपुर |
| 4 | रजनी देवी | कादीपुर–सुल्तानपुर |
| 5 | शैलकुमारी सिंह | पी.पी. कमैचा–सुल्तानपुर |
| 6 | राजेश्वरी देवी | जयसिंह पुर–सुल्तानपुर |
| 7 | मधुबाला श्रीवास्तव | जयसिंह पुर–सुल्तानपुर |
| 8 | रूपरानी | जयसिंह पुर–सुल्तानपुर |
| 9 | रामदुलारी | धनपतगंज–सुल्तानपुर |
| 10 | सत्यवती पाण्डेय | धनपतगंज–सुल्तानपुर |
| 11 | जावित्री शर्मा | अखण्ड नगर–सुल्तानपुर |
| 12 | सुधा मिश्रा | अखण्ड नगर–सुल्तानपुर |
| 13 | विमला वर्मा | अखण्ड नगर–सुल्तानपुर |
| 14 | इन्द्रावती देवी | अखण्ड नगर–सुल्तानपुर |
| 15 | ललित किशोरी | शाहगढ़–सुल्तानपुर |
| 16 | शशि प्रभा पाण्डेय | सिटी–सुल्तानपुर |
| 17 | ब्रजलता मिश्रा | सिटी–सुल्तानपुर |
| 18 | ऊषा त्रिवेदी | भादर–सुल्तानपुर |
| 19 | शमा परवीन | कूरेभार – सुल्तानपुर |
| 20 | विज्ञानी सिंह | कूरेभार – सुल्तानपुर |
| 21 | सुनीता | कूरेभार – सुल्तानपुर |
| 22 | शिव कुमारी सिंह | कूरेभार – सुल्तानपुर |
| 23 | शिव कुमारी | दुबेपुर–सुल्तानपुर |
| 24 | विमला देवी | कुड़वार–सुल्तानपुर |
| 25 | मीरा मिश्रा | कुड़वार–सुल्तानपुर |
| 26 | कुसुम द्विवेदी | कुड़वार–सुल्तानपुर |
| 27 | इन्द्रा दीक्षित | भदैया–सुल्तानपुर |
| 28 | शेषावती देवी | भदैया–सुल्तानपुर |
| 29 | निर्मला देवी | दोस्तपुर–सुल्तानपुर |
| 30 | सरोज वर्मा | दोस्तपुर–सुल्तानपुर |
| 31 | बदामा देवी | दोस्तपुर–सुल्तानपुर |
| 32 | सरयू देवी | लम्भुआ – सुल्तानपुर |
| 33 | सुशीला सिंह | लम्भुआ – सुल्तानपुर |
| 34 | बिटान देवी | लम्भुआ – सुल्तानपुर |
| 35 | सूर्यकली सिंह | भादर–सुल्तानपुर |

9 प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा–त्वरित प्रक्रिया प्रश्नावली के आधार पर

## (क) प्रशिक्षण सामग्री/साहित्य

| क्र0 सं0 | श्रेणी | प्रतिभागी संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अतिउत्तम | 22 |
| 2 | उत्तम | 12 |
| 3 | सामान्य | 1 |
| | योगः | 35 |

## (ख) प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था

| क्र0 सं0 | श्रेणी | प्रतिभागी संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अतिउत्तम | 25 |
| 2 | उत्तम | 8 |
| 3 | सामान्य | 2 |
| | योगः | 35 |

## (ग) प्रशिक्षण विधियॉ

| क्र0 सं0 | श्रेणी | प्रतिभागी संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अतिउत्तम | 31 |
| 2 | उत्तम | 4 |
| 3 | सामान्य | – |
| | योगः | 35 |

## (घ) भोजन एवं आवास

| क्र0 सं0 | श्रेणी | प्रतिभागी संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अतिउत्तम | 16 |
| 2 | उत्तम | 13 |
| 3 | सामान्य | 6 |
| | योगः | 35 |

## (ड़) क्षेत्रीय भ्रमण

| क्र0 सं0 | श्रेणी | प्रतिभागी संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अतिउत्तम | 28 |
| 2 | उत्तम | 6 |
| 3 | सामान्य | 1 |
| | योगः | 35 |

## (ड) वार्ताओं का प्रस्तुतिकरण

| क्र0सं0 | वार्ता विषय | श्रेणी प्रतिभागी संख्या | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | अतिउत्तम | उत्तम | सामान्य | योग |
| 1 | स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण | 16 | 16 | 3 | 35 |
| 2 | कार्यालय प्रबन्धन | 14 | 20 | 1 | 35 |
| 3. | आपदा प्रबन्धन | 12 | 23 | - | 35 |
| 4 | सूचना का अधिकार अधिनियम | 14 | 20 | 1 | 35 |
| 5 | वित्त प्रबन्धन | 12 | 19 | 4 | 35 |
| 6 | एड्स तथा एच0आई0वी0 | 32 | 3 | — | 35 |
| 7 | हॉट कुक | 28 | 7 | — | 35 |
| 8 | एम0पी0आर0 | 28 | 7 | — | 35 |
| 9 | बच्चों में इन्डेमिक रोग तथा अपंगता के कारणों का चिन्हीकरण | 7 | 21 | 7 | 35 |
| 10 | महिला मण्डल | 32 | 3 | — | 35 |
| 11 | आई.सी.डी.एस. के क्रियान्वयन में पंचायतों की भूमिका | 16 | 17 | 2 | 35 |
| 12 | वृद्धि निगरानी तथा समुदाय सहभागिता | 34 | 1 | — | 35 |
| 13 | प्रारम्भिक बाल्यावस्था | 34 | 1 | — | 35 |
| 14 | स्वास्थ्य एवं पोषण | 34 | 1 | — | 35 |

# 10 समय सारिणी

# 11 ग्रुप फोटोग्राफ

## 12– क्षेत्रीय भ्रमण

### 12.1 प्रथम भ्रमण

दिनॉक 16.04.2010 को कुल चार गांव का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों को चार समूह में विभाजित किया गया प्रत्येक समूह ने आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति तथा केन्द्र पर आये बच्चों की शिक्षा के स्तर का अध्ययन किया प्रतिभागियों ने आंगनवाड़ी केन्द्र से सम्बन्धित सूचनायें निर्धारित प्रारूप पर एकत्र की। समूहवार भ्रमण हेतु आवंटित क्षेत्र का विवरण निम्नवत है–

**समूह एक–** कमलाबाद बढौली गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

**समूह दो–** तरहिया गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

**समूह तीन–** मुबारकपुर गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

**समूह चार–** उमरभारी गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

**प्रथम समूह–** प्रथम समूह के प्रतिभागियों ने बख्शी का तालाब के कमलाबाद, बढ़ौली गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थिति तथा बच्चों के शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया।

### (क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र किराये के मकान में चलता है। चार्ट पेास्टर लगे हुए थे केन्द्र साफ–सुथरा था।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर शौचालय, हैंण्डपम्प एवं रसोई की व्यवस्था नहीं हैं।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध नहीं है। खेल सामग्री, पठन सामग्री, दवा पेटी इत्यादि उपलब्ध है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 61 पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 60 पंजीकृत थे। किशोरियों तीन पंजीकृत थीं। गांव में कुल 07 गर्भवती तथा 14 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।

5. अभिलेख की स्थिति – अभिलेखों की स्थिति ठीक नहीं थी। अभिलेख पूर्ण नहीं थे, ग्रोंथ चार्ट रजिस्टर नहीं बना था। मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण किया गया था। रजिस्टरों का रख–रखाव सही नहीं है।
6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मांर्निग स्नैक्स में लाई चना एवं गुड दिया गया था। दोपहर में मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। मात्रा सही थी, रख–रखाव सही था। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

**ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन**

प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष के कुल 6 बच्चों का अध्ययन किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

| क्रमांक | बच्चें का नाम | आयु वर्ष में | अभिभावक का नाम | स्तर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | शिवम् | 3 वर्ष 1 माह | मनोज | सामान्य |
| 2 | इसुफ | 3 वर्ष 1 माह | मो0 वसीम | अतिउत्तम |
| 3 | सुनील | 4 वर्ष | रमजान | उत्तम |
| 4 | साहिल | 5 वर्ष 1 माह | राशिद अली | उत्तम |
| 5 | करन | 4 वर्ष 4 माह | दिनेश विश्वकर्मा | सामान्य |
| 6 | कु0 आरसी | 4 वर्ष 3 माह | नसीर मो0 | उत्तम |

**निष्कर्ष–** प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से मात्र एक अतिउत्तम श्रेणी में हैं, 3 उत्तम तथा 2 बच्चे सामान्य श्रेणी में है।

**द्वितीय समूह–** इस समूह में कुल 12 प्रतिभागियों ने बख्शी का तालाब के तरहिया गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थिति तथा बच्चों के शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया।

## (क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र प्राइमरी स्कूल में चलता है। चार्ट पोस्टर लगे हुए थे केन्द्र साफ–सुथरा था।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर शौचालय, हैंण्डपम्प एवं रसोई की व्यवस्था नहीं हैं।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध है। खेल सामग्री, पठन सामग्री, दवा पेटी, ग्रोथ चार्ट इत्यादि उपलब्ध है। एक लोहे की आलमारी है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 106 बच्चे पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 90 बच्चेपंजीकृत थे। गांव में कुल 218 किशोरियों में से तीन पंजीकृत थीं। गांव में कुल 22 गर्भवती तथा 15 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – प्रतिभागियों द्वारा कुल 18 रजिस्टर देखे गये। अभिलेखों की स्थिति ठीक थी। अभिलेख पूर्ण एवं प्रमाणित थे। रख रखाव भी सही था। मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण भी किया गया था।
6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मार्निंग स्नैक्स में लाई चना एवं गुड दिया गया था। दोपहर में मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। मात्रा सही थी, रख–रखाव सही था। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

शालापूर्व शिक्षा के कियाकलाप

## ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन

प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष के कुल 12 बच्चों का अध्ययन किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

| क्रमांक | बच्चें का नाम | आयु वर्ष में | अभिभावक का नाम | स्तर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | शिवम् | 3 वर्ष 8 माह | गीता शुक्ला | अतिउत्तम |
| 2 | कीमती | 4 वर्ष 11 माह | मीना देवी | उत्तम |
| 3 | मानसी | 3 वर्ष 4 माह | रामप्यारी | उत्तम |
| 4 | सत्यम् | 4 वर्ष 4 माह | बसन्तीगुप्ता | सामान्य |
| 5 | कशिश | 3 वर्ष 6 माह | पूनम | अतिउत्तम |
| 6 | सुमित | 3 वर्ष 6 माह | मोहिनी | अतिउत्तम |
| 7 | पायल | 3 वर्ष 8 माह | मीना | अतिउत्तम |
| 8 | कुमकुम | 5 वर्ष 6 माह | कुसुम | उत्तम |
| 9 | अनुष्का | 5 वर्ष | संजूयादव | उत्तम |
| 10 | सुभाष | 5 वर्ष 7 माह | राजकुमारी | उत्तम |
| 11 | सांवली | 5 वर्ष 4 माह | कुसुम | उत्तम |
| 12 | अरून कुमार | 5 वर्ष 6 माह | सोनी | उत्तम |

**निष्कर्ष–** प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से मात्र 4 अतिउत्त्म श्रेणी में हैं, 7 उत्तम तथा 1 बच्चा सामान्य श्रेणी में है।

**तृतीय समूह–** इस समूह के प्रतिभागियों ने बख्शी का तालाब के मुबारकपुर गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थिति तथा बच्चों के शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया।

**(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति**

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र प्राईमरी स्कूल में चलता है। चार्ट पेास्टर लगे हुए थे केन्द्र साफ–सुथरा था।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर शौचालय, हैंण्डपम्प उपलब्ध है तथा रसोई की व्यवस्था नहीं हैं। भोजन केन्द्र के कमरे में ही बनता है।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध है। 18 कटोरी, 18 गिलास, दवा किट, खेल–खिलौने, पठन सामग्री, दवा पेटी, ग्रोथ चार्ट इत्यादि उपलब्ध है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 68 पंजीकृत बच्चे थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 59 बच्चे पंजीकृत थे। गांव की तीन किशोरियां पंजीकृत थीं। गांव में कुल 13 गर्भवती तथा 12 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिसमें से कुछ रजिस्टर में पेज नं0 था सभी रजिस्टर पूर्ण थे। वजन मशीन न होने के कारण वजन रजिस्टर अपूर्ण था। रख रखाव सही था। मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण भी किया गया था।
6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मांर्निग स्नैक्स में 10 ग्राम गुड़, 10 ग्रा. लाई 20 ग्रा. चना प्रति बच्चे को दिया गया। दोपहर में मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। मात्रा सही थी, रख–रखाव सही था। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

**ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन**

प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष के कुल 6 बच्चों का अध्ययन किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

| क्रमांक | बच्चें का नाम | आयु वर्ष में | अभिभावक का नाम | स्तर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | शांति | 4 वर्ष 2 माह | राजाराम | उत्तम |
| 2 | संजना | 6 वर्ष | रामश्रे | उत्तम |
| 3 | रिमझिम | 3 वर्ष 7 माह | मंजू | उत्तम |
| 4 | दीपाली | 5 वर्ष 2 माह | फूलमती | उत्तम |
| 5 | हरिओम | 5 वर्ष 8 माह | पूनम रावत | अतिउत्तम |
| 6 | रिमझिम | 3 वर्ष 11 माह | विमलेश यादव | अतिउत्तम |

**निष्कर्ष–** प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से मात्र 2 अतिउत्त्म श्रेणी में हैं तथा 4 उत्तम श्रेणी में थे।

**चतुर्थ समूह–** इस समूह के प्रतिभागियों ने बख्शी का तालाब के उमरभारी गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थिति तथा बच्चों के शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया।

**(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति**

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र पंचायत भवन में चलता है। चार्ट पोस्टर लगे हुए थे केन्द्र साफ–सुथरा था। हॉट कुक की सामग्री व्यवस्थित ढंग से रखा हुआ था।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर हैंण्डपम्प लगा हुआ था लेकिन शौचालय एवं रसोई की व्यवस्था नहीं हैं।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध है। 20 कटोरी और अन्य कोई बर्तन नहीं थे। दवा किट, खेल–खिलौने, पठन सामग्री, दवा पेटी, ग्रोथ चार्ट इत्यादि उपलब्ध है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 61 पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 51 पंजीकृत थे। गांव की तीन किशोरियां पंजीकृत थीं। गांव में कुल 7 गर्भवती तथा 6 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, सभी रजिस्टर पूर्ण पाये गये। रजिस्टर में पेजिंग सहित साफ सुथरे थे। वजन मशीन न होने के कारण वजन

रजिस्टर अपूर्ण था। रख रखाव भी सही था। मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण भी किया गया था।

6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मार्निंग स्नैक्स में 10 ग्राम गुड़, 10 ग्रा. लाई 20 ग्रा. चना प्रति बच्चे को दिया गया। दोपहर में मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। मात्रा सही थी, रख–रखाव सही था। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

**ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन**

प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष के कुल 6 बच्चों का अध्ययन किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

| क्रमांक | बच्चें का नाम | आयु वर्ष में | अभिभावक का नाम | स्तर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | चांदनी | 3 वर्ष 1 माह | सुरेश | उत्तम |
| 2 | सुमित | 4 वर्ष 6 माह | मीना | उत्तम |
| 3 | पूर्णिमा | 6 वर्ष | ज्ञानी | अतिउत्तम |
| 4 | काजल | 4 वर्ष 4 माह | बलराम यादव | अतिउत्तम |
| 5 | सोनम | 5 वर्ष 1 माह | राजेन्द्र कुमार | अतिउत्तम |
| 6 | अभिषेक | 5 वर्ष 3 माह | उत्तम | उत्तम |

**निष्कर्ष–** प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से मात्र 3 अतिउत्तम श्रेणी में हैं तथा 3 उत्तम श्रेणी में थे।

## 12.2 द्वितीय भ्रमण

दिनॉक 23.04.2010 को बख्शी का तालाब, क्षेत्र के कुल चार गांव का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों को चार समूह में विभाजित किया गया दो समूह ने आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति तथा

आई.एम.एन.सी.आई एवं वृद्धि निगरानी पर तथा शेष दो समूह ने वृद्धि निगरानी पर कार्य किया। समूहवार भ्रमण हेतु आंवटित क्षेत्रों का विवरण निम्नवत है।

**समूह एक–** राजापुर गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति तथा वृद्धि निगरानी व आई.एम.एन.सी.आई पर कार्य किया।

**समूह दो–** मल्हीपुर गांव में वृद्धि निगरानी व आई.एम.एन.सी.आई पर कार्य किया।

**समूह तीन–** प्रसवन गांव में आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति तथा वृद्धि निगरानी व आई.एम.एन.सी.आई पर कार्य किया।

**समूह चार–** परसऊ गांव में वृद्धि निगरानी एवं आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया।

**प्रथम समूह –** इस समूह के प्रतिभागियों ने राजापुर गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थिति तथा आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया ।

**(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति**

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र पंचायत भवन में चलता है। केन्द्र की सफाई व्यवस्था सामान्य थी।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर पानी की व्यवस्था नहीं है। शौचालय एवं रसोई की व्यवस्था नहीं हैं। हॉट कुक पंचायत भवन में ही बनता है।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन नहीं है। कार्यकत्री स्वयं के बर्तनों में खाना बनाती है। खेल सामग्री के अलावा वजन मशीन, खेल सामग्री, ग्रोथ चार्ट उपलब्ध नहीं है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 77 बच्चे पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 80 बच्चे पंजीकृत थे। गांव की कुल 110 किशोरियों में से तीन किशोरियां पंजीकृत थीं। गांव में कुल 15 गर्भवती तथा 10 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – प्रतिभागियों द्वारा मात्र तीन रजिस्टर ही देखने को मिले शेष रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे। कार्यकत्री द्वारा बताया गया सभी रजिस्टर बने हुए हैं।

6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। पूरक आहार की स्थिति सामान्य थी। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

**ख. नवजात तथा बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई.एम..एन.सी.आई.)**

प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 06 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम. एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की गई तथा माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

| क्र | बच्चे का नाम | माता का नाम | उम्र | स्वास्थ्य स्तर | टीकाकरण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नीलू | गुड्डी | 2 वर्ष | कुपोषित | अपूर्ण | मां को बताया कि नीलू को डॉ0 के पास ले जाये तथा टीकाकरण कराने की सलाह दी। |
| 2 | प्रिंसी | सुशीला | 1 वर्ष | सामान्य | अपूर्ण | टीकाकरण कराने की सलाह दी। |
| 3 | अमिता | रीता | 2 वर्ष | कुपोषित | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि बच्चे के खाने–पीने पर ध्यान दे तथा समय से टीके अवश्य लगवायें। |
| 4 | आनन्द कुमार | राजकली | 10 माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। आहार बढ़ाने की जानकारी भी दी। |
| 5 | अंजू | बिटान | 8 माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। आहार बढ़ाने की जानकारी भी दी। |
| 6 | बीनू | ऊषा | 2 वर्ष 4 माह | अति कुपोषित | अपूर्ण | ऊषा जी को सलाह दी गई कि आपका बच्ची अतिकुपोषि हो गई है इसको जल्दी से डॉ0 के पास ले जायें तथा टीकाकरण लगवाने की |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | सलाह दी। |

**ग. वृद्धि निगरानी**

प्रतिभागियों ने 0 से 06 के बच्चो का वजन लिया तथा उनकी माताओं/अभिभावकों को ग्रह भ्रमण कर दौरान उचित परामर्श दिया गया। जिसका विवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया–

| क्रमांक | बच्चें का नाम | माता का नाम | जन्म तिथि /उम्र | वजन किग्रा. | पोषण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नीूल | गुड्डी | 2 वर्ष 10 माह | 09.500 | कुपोषित | ऊपरी आहार जैसे– मसली रोटी, दाल, चावल का मॉड, इत्यादि खिलाने की सलाह दी तथा नियमित वजन कराने कराये। सत्त स्तनपान कराती रहे। |
| 2 | प्रिंसी | सुनीता | 1 वर्ष 10 माह | 9.000 | सामान्य | मां को प्रोत्साहित किया तथा ठोस आहार देती रहे और समय से वजन कराती रहें। |
| 3 | अनीता | रीता | 2 वर्ष 11 माह | 9.800 | कुपोषित | मां को परामर्श दिया कि आपकी बच्ची कुपोषित है। इसे ऊपरी ठोस आहार खिलाती रहे तथा वजन नियमत रूप से कराती रहें। |
| 4 | आनन्द कुमारी | राजकली | 10 माह | 07.600 | सामान्य | मां को परामर्श दिया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ है इसकी देखभाल इसी तरह से करती रहे। |
| 5 | अंशू | बिटान | 8 माह | 07.500 | सामान्य | बिटानजी आपका बच्चा सामान्य श्रेणी में है। इसकी इसी तरह से देखभाल करती रहे तथा अर्धठोस आहार देती रहे। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | बीनू | ऊषा | 02 वर्ष 04 माह | 08.000 | अतिकुपोषित | मां को बताया गया कि आपका बच्चा अतिकुपोषित है इसे डॉ0 के पास ले जायें तथा वजन नियमित रूप से करायें। |

**द्वितीय समूह–** इस समूह के प्रतिभागियों ने मल्हीपुर गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत वृद्धि निगरानी एवं आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया ।

**(क) वृद्धि निगरानी**

प्रतिभागियों ने 0 से 06 वर्ष के कुल 7 बच्चो का वजन लिया तथा उनकी माताओं/अभिभावकों को ग्रह भ्रमण कर दौरान उचित परामर्श दिया गया। जिसका विवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया–

| क्रमांक | बच्चें का नाम | माता /अभिभावक का नाम | जन्म तिथि /उम्र | वजन किग्रा. | पोषण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | आदित्य | राजकुमारी | 1 माह | 02.700 | अतिकुपोषित | मां को सलाह दी कि आपका बच्चे का स्वास्थ्य ठीक नहीं है इसे डॉ0 के पास ले जायें तथा बच्चे को केवल अपना दूध ही पिलाये। |
| 2 | अंशू | गुड्डी | 1 वर्ष 01 माह | 6.500 | कुपोषित | मां को परामर्श दिया कि आपकी बच्ची कुपोषित है। इसे ऊपरी ठोस आहार खिलाती रहे तथा वजन नियमत रूप से कराती रहें। |
| 3 | जूली | सुनीता | 1 वर्ष 6 माह | 6.000 | अकुपोषित | मां को सलाह दी कि आपका बच्चे का स्वास्थ्य ठीक नहीं है इसे डॉ0 के पास ले जायें तथा बच्चे को ऊपरी आहार खिलाती रहे एवं |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | समय से वजन कराती रहे। |
| 4 | धीरेन्द्र | राजेश्वरी | 03 वर्ष | 09.000 | अतिकुपोषित | राजेश्वरीजी आपका बच्चे का स्वास्थ्य अच्छा नहीं है। इसे डॉ0 के पास ले जायें तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। इसके खाने पीने पर ध्यान दें इसे थोड़ा–थोड़ा करके कई खिलायें। |
| 5 | आकाश | राजकुमारी | 01 वर्ष 09 माह | 10.100 | सामान्य | मां को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि आपका बच्चा स्वस्थ है। इसी तरह से देखभाल करती रहे तथा ठोस आहार देती रहे। समय से वजन कराती रहे। |
| 6 | विकास | सुशीला | 03 माह | 07.000 | सामान्य | मां को बताया कि आपके बच्चे स्वास्थ्य उत्तम है अतः आप 6 माह तक केवल अपना दूध ही पिलायें ऊपर से कुछ भी न दें। अपने खाने पीने पर ध्यान दें। |
| 7 | विवके | पुष्पा | 8 माह | 07.000 | सामान्य | पुष्पाजी आपका बच्चा स्वस्थ है अतः आप अब अपने दूध के साथ–साथ ऊपरी आहार भी विवेक को दें जिससे इसके वजन में कमी न आये। |

**ख. नवजात तथा बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई.एम..एन.सी.आई.)**

प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 07 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम. एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की गई तथा माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

| क्र | बच्चे का नाम | माता का नाम | उम्र | स्वास्थ्य स्तर | टीकाकरण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अभिषेक | सुनीता | 4 माह | सामान्य | अपूर्ण | आपका बच्चा स्वस्थ है लेकिन एक भी टीका नहीं लगा। टीकाकरण कराने की सलाह दी व विटामिन ए पिलाने की भी सलाह दी। |
| 2 | रूबिका | गीता | 1 वर्ष 8 माह | कुपोषित | अपूर्ण | मां को बताया गया कि बच्चे का वजन कम है बच्चे की उम्र के अनुसार खाना खिलायें टीका भी लगवाने की सलाह दी गई प्रति माह वजन लेने की सलाह दी गई। |
| 3 | चन्द्र उदय | पंक्षीदेवी | 2 वर्ष | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि बच्चे के का स्वास्थ्य ठीक है। बच्चे को सभी टीके लगवाने की सलाह दी। |
| 4 | अर्चना | कन्ना | 6 माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। तथा अब ऊपरी आहार देना शुरू कर दे। |
| 5 | बिपिन | रानी | 8 माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। आहार बढ़ाने की जानकारी भी दी। |
| 6 | मनीष | रूक्मिणी | 2 वर्ष माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | आहार बढ़ाने की जानकारी भी दी। |
| 7 | रोहनी | ऊषा | 2 वर्ष 2 माह | सामान्य | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि बच्चे के का स्वास्थ्य ठीक है। बच्चे को सभी टीके लगवाने की सलाह दी। |

**तृतीय समूह**– इस समूह के प्रतिभागियों ने प्रसवन गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति, वृद्धि निगरानी एवं आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया ।

**(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति**

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र निजी भवन में चलता है। केन्द्र की सफाई व्यवस्था सामान्य थी।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर हैण्डपम्प लगा हुआ है लेकिन शौचालय एवं रसोई की व्यवस्था नहीं हैं।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्धं है। खेल सामग्री, वजन मशीन, खेल सामग्री, ग्रोथ चार्ट उपलब्ध है।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 88 पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 92 पंजीकृत थे। गांव की कुल 91 किशोरियों में से तीन किशोरियां पंजीकृत थीं। गांव में कुल 15 गर्भवती तथा 6 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – प्रतिभागियों द्वारा 18 रजिस्टर देखे गये सभी रजिस्टर पूर्ण व साफ सुथरे थे। समय – समय पर मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण किया गया था।
6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मूंग की खिचड़ी दी गयी थी। पूरक आहार की स्थिति सामान्य थी। सामान का क्रय आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाता है।

## (ख) वृद्धि निगरानी

प्रतिभागियों ने 0 से 06 वर्ष के कुल 7 बच्चो का वजन लिया तथा उनकी माताओं/अभिभावकों को ग्रह भ्रमण कर दौरान उचित परामर्श दिया गया। जिसका विवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया–

| क्रमांक | बच्चें का नाम | माता /अभिभावक का नाम | जन्म तिथि /उम्र | वजन | पोषण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्राची | आशा | 2 वर्ष 5 माह | 10.500 | सामान्य | मां को प्रोत्साहित किया तथा बच्चे की इसी प्रकार से देख भाल करे इसकी सलाह दी। |
| 2 | तेजस्व पाण्डेय | अनामिका | 4 वर्ष 02 माह | 11.500 | कुपोषित | मां को परामर्श दिया कि आपकी बच्ची कुपोषित है। इसे ऊपरी ठोस आहार खिलाती रहे तथा वजन नियमत रूप से कराती रहें। |
| 3 | अंशू | पूनम | 2 वर्ष 7 माह | 12.000 | सामान्य | पूनमजी आपका बच्चें स्वस्थ है। इसकी इसी तरह से देखभाल |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | करती रहे। |
| 4 | सोनामिका | कुन्हा | 03 वर्ष 07 माह | 09.200 | अतिकुपोषित | कुन्हाजी आपका बच्चे का स्वास्थ्य अच्छा नहीं है। इसे डॉ0 के पास ले जायें तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। |
| 5 | सौम्या | निशा | 4 वर्ष 05 माह | 13.000 | सामान्य | मां को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि आपका बच्चा स्वस्थ है। इसी तरह से देखभाल करती रहे तथा ठोस आहार देती रहे। समय से वजन कराती रहे। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | ममता | रजनी | 03 वर्ष 01 माह | 10.000 | कुपोषित | मां को बताया गया कि आपकी बच्ची कुपेाषित है। इसके खाने–पीने व साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। |
| 7 | करन | विमलेश | 4 वर्ष 3 माह | 10.900 | कुपोषित | आपका बच्चा कुपोषित है अतःआप इसके खाने–पीने व साफ सफाई पर विशेष ध्यान दे। |

**ग. नवजात तथा बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई.एम..एन.सी.आई.)**

प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 07 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम. एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की गई तथा माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

| क्र | बच्चे का नाम | माता का नाम | उम्र | स्वास्थ्य स्तर | टीकाकरण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्राची | आशा | 2 वर्ष 5 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को प्रोत्साहित किया कि आप अपने बच्ची की देखभाल इसी तरह करती रहें। |
| 2 | तेजस्व पाण्डेय | अनामिका | 4 वर्ष 2 माह | कुपोषित | पूर्ण | मां को बताया गया कि बच्चे का वजन कम है बच्चे की उम्र के अनुसार खाना खिलायें, प्रति माह वजन लेने की सलाह दी गई। |
| 3 | सोनामिका | कुन्हा | 3 वर्ष 7 माह | अतिकुपोषित | अपूर्ण | खून की कमी पायी डॉ0 को दिखाने की सलाह दी। |
| 4 | अंशू | पूनम | 2 वर्ष 7 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को प्रोत्साहित किया कि आपका बच्चा स्वस्थ है इसी प्रकार खाने पीने पर ध्यान देती रहे। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | सौम्या | निशा | 4 वर्ष 5 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को प्रोत्साहित किया कि आपका बच्चा स्वस्थ है इसी प्रकार खाने पीने पर ध्यान देती रहे। |
| 6 | ममता | रजनी | 3 वर्ष 1 माह | कुपोषित | पूर्ण | मां को बताया गया कि आपके बच्चे का बजन कम है इसके खाने पीने पर विशेष ध्यान दें तथा हर माह वजन कराती रहे। |
| 7 | करन | विमलेश | 4 वर्ष 3 माह | अतिकुपोषित | पूर्ण | बच्चे के अभिभावक को बताया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ नहीं है इसको जल्दी डॉ0 के पास ले जायें तथा डॉ0 की सलाह के अनुसार इसकी देख भाल करें। |

**चतुर्थ समूह–** इस समूह के प्रतिभागियों ने परसऊ गांव का भ्रमण किया जिसके अन्तर्गत वृद्धि निगरानी एवं आई.एम.एन.सी.आई. पर कार्य किया ।

## (क) वृद्धि निगरानी

प्रतिभागियों ने 0 से 06 वर्ष के कुल 7 बच्चो का वजन लिया तथा उनकी माताओं/अभिभावकों को ग्रह भ्रमण कर दौरान उचित परामर्श दिया गया। जिसका विवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया–

| क्रमांक | बच्चें का नाम | माता /अभिभावक का नाम | जन्म तिथि /उम्र | वजन | पोषण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | साहिल | कैशरसबाना | 1 वर्ष 6 माह | 8.000 | अतिकुपोषित | मां से बात –चीत करने के दौरान पता चला कि बच्चे को काफी दिनों से दस्त आ रहे थे। मां का सलाह दी गई कि बच्चे को ओ0आर0एस0 का घोल पिलाये तथा डॉ0 को भी दिखायें। |
| 2 | अंकिता | निर्मला | 08 माह | 6.500 | सामान्य | मां को परामर्श दिया कि आपका बच्चा स्वस्थ है। बच्चे को पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध ठोस आहार देती रहे। |
| 3 | आरूषि | संजू | 1 वर्ष 5 माह | 8.000 | सामान्य | मां को सलाह दी कि आपका बच्चा के स्वास्थ्य ठीक है। इसकी इसी तरह से देख भाल करती रहें। |
| 4 | मो0 कैश | सहाना | 1 वर्ष 06 माह | 08.500 | सामान्य | मां की प्रसंशा की कि आपका बच्चा स्वस्थ है। इसके खाने पीने पर इसी तरह से देखभाल करती रहे तथा साफ सफाई पर ध्यान देती रहे। |
| 5 | छोटू | कमलेश कुमारी | 01 वर्ष 6 माह | 08.000 | कुपोषित | आपका बच्चे का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। अतः आप इसके खाने पीने पर विशेष ध्यान दें तथा समय |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | से वजन कराती रहें। |
| 6 | उमा | मीना | 1 वर्ष 07 माह | 6.000 | अतिकुपोषित | मीना जी आपकी बच्ची अतिकुपोषित हो गई है इसका डॉ0 के पास ले जायें तथा इसके खाने पीने पर विशेष ध्यान दें। |
| 7 | रीतिका | कमलेश कुमारी | 1 वर्ष 7 माह | 08.500 | कुपोषित | आपकी बच्ची का स्वास्थ्य कुछ ठीक नहीं है यदि इसके खाने पीने पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह अतिकुपोषित हो जायेगी। |

**ख. नवजात तथा बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई.एम..एन.सी.आई.)**

प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 07 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम. एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की गई तथा माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

| क्र | बच्चे का नाम | माता का नाम | उम्र | स्वास्थ्य स्तर | टीकाकरण स्थिति | परामर्श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | साहिल | कैशरसबाना | 1 वर्ष 6 माह | सामान्य | पूर्ण | आपका बच्चा स्वस्थ है इसकी इसी प्रकार देखभाल करती रहे। |
| 2 | अंकिता | निर्मला | 08 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को प्रोत्साहित किया कि आपकी बच्ची स्वस्थ है। |
| 3 | आरूषि | संजू | 1 वर्ष 5 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को परामर्श दिया कि बच्चे के का स्वास्थ्य ठीक है। बच्चे को सभी टीके लगवाने की सलाह दी। |
| 4 | मो0 कैश | सहाना | 1 वर्ष 06 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। |
| 5 | छोटू | कमलेश कुमारी | 01 वर्ष 6 माह | सामान्य | पूर्ण | मां को परामर्श दिया कि अपने बच्चे के टीके अवश्य लगवाये। विटामिन ए की खुराक पिलाने की सलाह दी गई। आहार बढ़ाने की जानकारी भी दी। |
| 6 | उमा | मीना | 1 वर्ष 07 माह | अतिकुपोषित | अपूर्ण | मां से बात चीत के दौरान यह पता चला कि बच्चा जन्म से ही बीमार है और डॉ0 को दिखाने की सलाह दी। |
| 7 | रीतिका | कमलेश कुमारी | 1 वर्ष 7 माह | कुपोषित | अपूर्ण | मां को परामर्श दिया कि आपका बच्चा कमजोर है तथा इसकी समय–समय पर स्वास्थ्य जांच कराती रहें। सभी टीके लगवाने की सलाह दी। |

## 12.3 तृतीय भ्रमण :

हम सभी प्रशिक्षार्थी दिनांकः 01.05.10 को प्रातः 08:30 से सांय 6:00 बजे तक जनपद सीतापुर के बाल विकास परियोजना कार्यालय नैमिषारण्य के अध्ययन एवं पौराणिक स्थल ''नैमिषारण्य'' का भ्रमण किया गया। नैमिषारण्य का अध्ययन के बिन्दु निम्नवत हैं–

- **चक्रतीर्थ कुण्ड –** सर्वप्रथम सभी चक्रतीर्थ कुण्ड के पास पहुंचे जहां पर वहां के पुजारियों द्वारा बताया गया कि चक्र कुण्ड में स्वतः जल निकलता है तथा यह जल कुण्ड से निकलकर नाले के रास्ते गोमती नदी में जाता है। श्री भगवान विष्णुजी द्वारा छोड़ा गया चक्र इसी चक्रतीर्थ में गिरा था। सभी प्रतिभागियों ने कुण्ड के जल से विमोचन किया तथा उसके बाद चक्र की परिक्रमा की गई साथ ही वहां के चारों ओर बने मंदिरों के दर्शन किये।
- **वेद व्यास गद्दी –** चक्रतीर्थ घूमने के बाद हम सभी वेद व्यास गददी गये जहां व्यास मुनि द्वारा सत्य नारायण कथा की रचना हुई थी तथा राम, सीता तथा हनुमान जी की विशाल मूर्ति देखी गई उसके बाद मनु सतरूपा की मूर्ति देखी गयी जहां मनु सतरूपा द्वारा 23 हजार वर्ष तपस्या की गयी थी। वहां ब्रम्हा, विष्णु, महेश की मूर्ति देखी गयी तथा अन्य कई मूर्ति के दर्शन किये गये।
- **बालाजी मंदिर –** जहां बालाजी मूर्ति के अलावा भू देवी मूर्ति देखी गयी तथा बाहर भगवान विष्णु तथा लक्ष्मीजी की प्रतिमा देखी गयी जहां भगवान क्षीर सागर में बैठे थे तथा नागराज की पीतल की बड़ी स्थापना थी। उसके बाद वहां राधा कृष्ण की मूर्ति शंकर पार्वती की मूर्ति देखी गयी तथा भजन कीर्तन भी किया गया।
- **देवपुरी –** हम लोग बालाजी मंदिर के दर्शन उपरान्त देवपुरी पहुंचे जहां पर 108 देवी/देवताओं के दर्शन किये गये। यह सारे 108 मंदिर एक ही बिल्डिंग में बने हुए थे जो लगभग 5 मंजिलों पर स्थापित थे। सबसे ऊपर भगवान शंकरजी की प्रतिमा थी जहां पर एक भक्त के साथ कीर्तन भजन किये गये।
- **ललिता देवी–** देवपुरी से चलकर रेलवे स्टेशन नैमिषारण्य होते हुए अंतिम दर्शन ललिता देवी के हुए जहां पर सभी प्रतिभागियों ने मंदिर में प्रसाद चढ़ाया और माताजी का आर्शीवाद प्राप्त किया। इसके बाद सभी प्रतिभागी प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण संस्थान पहंचे।

यह भ्रमण अत्यन्त ही रोचक एवं ज्ञानवर्धक रहा। हममें से अधिकांश बहनें जीवन में पहली बार नैमिषारण्य गये।

## 12.3 तृतीय भ्रमण :

इस प्रशिक्षण का अंतिम भ्रमण दिनांकः 06 मई, 2010 को लखनऊ के अलीगंज में स्थित आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भ्रमण किया गया। हम लोग प्रातः 10:30 बजे पहुंचे। केन्द्र में प्रवेश करते ही कुछ पौधे दिखे जो बीमारी के लिए लाभदायक होते हैं जैसे– घी क्वार कब्ज के लिए, जराकुश सर्दी जुकाम के लिए, विघारा–फोड़े फुन्सी, अडूण–कफ विकार खस–पसीने की दुर्गन्ध परिवर्त लोलक आदि के बारे में जानकारी हुई। उसके बाद मेघनाद, विक्रम अम्बालाल, साराभाई, सत्येन्द्र नाथ बासे, श्री निवास रामानुजम, चन्द्रशेखर, विकटराम, आदि महज हस्तियों का मुर्तियां देखी गयी व उनके जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। आगे चलकर झूला, कम–ज्यादा भार, गुरूत्तीय कुर्सी, तोता मैना, हैण्डपाइप, बोलती तश्वीर इत्यादि देखी गई।

कुछ समय बाद हम लोग विज्ञान कक्ष में पहुंचे जहां महासागरीय अधः स्तल का परिदृश्य, महासागर पृथ्वी का सबसे बड़ा 4 अरब साल पूर्व वायु मंडल, जल वाष्प द्वारा परिचालित होता है। ओसियन शैल प्रवाह, ध्वनि द्वारा कम्पन आदि पर जानकारी हुई। उसके बाद वहां पर विभिन्न प्रकार की मछलियां भी देखी गयी। वहां पर दो शो देखे गये पहले **थ्री–डी शो** के माध्यम से पेड़–पौधे

कटने से होने वाले कारणों के बारे में जानकारी हुई उसके बाद साईमैक्स शो में दिखाया गया कि समुद्री जीवन के बारे में जानकारी मिली।

हम लोगों ने **अनोखी दुनिया** में 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों से सम्बन्धित खेल सामग्री, किया सामग्री देखी जैसे– जादुई शीशा, मछली, पैरेटफिश, रंग आकार, पनडुब्बी, जंगली जानवरों की आवाजे सुनने को मिली। **गंगा जल की कहानी** में भारत में कितनी नदियां है और कहां – कहां पर हैं इसकी जानकारी हुई। लखनऊ शहर का एक मानचित्र भी बना हुआ था जिसमें बटन के माध्यम से हम शहर की बड़ी – बड़ी इमारतों, स्टेशनों के बारे में जानकार हुई। यह भ्रमण अत्यन्त ही रोचक एवं लाभदायी हुआ।

समाप्त्